FOR MORE FREE PDFS https://www.studymasterofficial.com

भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार

- भारत एक मिश्रित अर्थव्यवस्था का उदाहरण प्रस्तुत करता है, जिसमें सार्वजनिक एवं निजी दोनों क्षेत्रों की भूमिका महत्त्वपूर्ण हैं ।
- भारतीय अर्थव्यवस्था विनिमय दर (Exchange Rate) के आधार पर विश्व की 6ठी बड़ी तथा क्रय-शक्ति समता (PPP) के आधार पर तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था है ।
- भारतीय अर्थव्यवस्था के निम्नलिखित लक्षण हैं ।
  (i) प्रति व्यक्ति आय का निम्न होना, (ii) अधिकांश जनसंख्या का अर्थव्यवस्था के प्राथमिक क्षेत्रक में संलग्न होना, (iii) अर्थव्यवस्था पर जनसंख्या का बढ़ता दबाव, (iv) बेरोजगारी की समस्या, (v) पर्याप्त पूँजी का अभाव, दोषपूर्ण सम्पत्ति वितरण, (vi) तकनीकी पिछड़ापन आदि ।
- विश्व विकास रिपोर्ट 2015 के अनुसार, न्यून आय अर्थव्यवस्था वे हैं, जिनकी प्रतिव्यक्ति सकल राष्ट्रीय उत्पाद में 1045 डॉलर अथवा इससे कम थी ।
- अर्थव्यवस्था के क्षेत्रक
  प्राथमिक क्षेत्रक–कृषि, वानिकी, मत्स्यन, खनन
  द्वितीयक क्षेत्रक–निर्माण, विनिर्माण, विद्युत, गैस एवं जलापूर्ति आदि ।
  तृतीयक क्षेत्रक–परिवहन एवं संचार, बैंकिंग, बीमा, व्यापार, भण्डारण आदि ।

विकास के प्रमुख संकेतक

मानव विकास सूचकांक (HDI) 1990 में पाकिस्तानी अर्थशास्त्री महबूब-उल-हक एवं नोबेल पुरस्कार विजेता भारतीय अर्थशास्त्री प्रो. अमर्त्य सेन ने प्रतिपादित किया । मानव विकास सूचकांक की रचना तीन सूचकों के आधार पर होती है ।
1. जीवन प्रत्याशा सूचकांक 2. शिक्षा सूचकांक 3. जीवन निर्वाह का स्तर जिसमें क्रय-शक्ति समायोजित (Purchasing Power Parity) प्रति व्यक्ति आय (डॉलर में) व्यक्त करते हैं ।

- 2016 की मानव विकास रिपोर्ट में 188 देशों की सूची में भारत 131वें स्थान पर है ।

राष्ट्रीय आय

- किसी वर्ष के दौरान उत्पादित अन्तिम वस्तुओं एवं सेवाओं के शुद्ध मूल्य के योग को राष्ट्रीय आय कहते हैं, इसमें विदेशों से अर्जित शुद्ध आय भी शामिल होती है । भारत की राष्ट्रीय आय का सर्वप्रथम आकलन दादाभाई नौरोजी ने किया था ।
- वर्तमान में केन्द्रीय सांख्यिकी संगठन (CSO) राष्ट्रीय आय की गणना करता है । वर्तमान में राष्ट्रीय आय की माप का आधार वर्ष 2011-12 (जनवरी 2015 से स्वीकार) है । इससे पहले राष्ट्रीय आय का माप का आधार वर्ष 2004-05 था ।

सकल घरेलू उत्पाद

देश के घरेलू सीमा के भीतर एक वर्ष में उत्पादित सभी अन्तिम वस्तुओं एवं सेवाओं के मौद्रिक मूल्य के योग को सकल घरेलू उत्पाद (Gross Domestic Product, GDP) कहते हैं । 2014-15 से विकास को स्थिर बाजार मूल्यों पर सकल घरेलू उत्पाद द्वारा मापा जाएगा ।

सकल मूल्य योजित

TO BUY NOTES WHATSAPP ON 9896160956 THIS IS A SAMPLE PDF

For More Pdfs Join Telegram https://t.me/studymaster

FOR MORE FREE PDFS https://www.studymasterofficial.com

सकल मूल्य योजित (Gross Value Added; GVA) माप को सकल घरेलू उत्पाद में सब्सिडी से प्रत्यक्ष बिक्री कर को घटाकर प्रस्तुत करते हैं ।

सकल राष्ट्रीय उत्पाद

किसी देश के नागरिकों द्वारा एक निश्चित समयावधि । सामान्यतः एक वर्ष में उत्पादित अन्तिम वस्तुओं एवं सेवाओं के मौद्रिक मूल्य को सकल राष्ट्रीय उत्पाद | (Gross National Product, GNP) कहते हैं ।

निवल घरेलू उत्पाद

जब सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में से उत्पादन की प्रक्रिया में प्रयुक्त मशीन और पूँजी के मूल्य में आई कमी को घटा दिया जाता है, तो इसे निवल घरेलू उत्पाद (Net Domestic Product, NDP) कहते हैं ।

अर्थात् NDP = GDP - Depreciation (मूल्य ह्रास)

भारत में आर्थिक नियोजन

भारत में आर्थिक नियोजन की चर्चा सर्वप्रथम सर एम विश्वेश्वरैया ने वर्ष 1936 में प्रकाशित पुस्तक 'Planned Economy for India' में की थी ।

- बॉम्बे प्लान नामक 15 वर्षीय एक योजना, वर्ष 1943 में मुम्बई के आठ उद्योगपतियों ने प्रस्तुत की । गाँधीवादी योजना को वर्ष 1944 में श्रीमन्नारायण ने प्रस्तुत किया । वर्ष 1944 में श्री एम एन राय ने जन - योजना (People's Plan) निर्मित की ।
- योजना आयोग की स्थापना 15 मार्च , 1950 को हुई थी (नियोगी समिति की सिफारिश पर) । यह एक संविधानेत्तर संस्था थी ।

नीति आयोग (NITI Aayog)

- इसका पूरा नाम राष्ट्रीय भारत परिवर्तन संस्थान (National Institution for Transforming India) है । योजना आयोग के स्थान पर इसका गठन 1 जनवरी, 2015 को किया गया । यह आयोग विकास प्रक्रिया में निर्देश तथा रणनीतिक परामर्श देगा । इसके पदेन अध्यक्ष भारत के प्रधानमन्त्री होंगे, जबकि उपाध्यक्ष एवं शासी निकाय की नियुक्ति प्रधानमन्त्री द्वारा की जाएगी । राजीव कुमार इसके उपाध्यक्ष हैं ।
- राष्ट्रीय विकास परिषद् (National Development Council) की स्थापना 6 अगस्त, 1952 को की गई थी । यह परिषद् योजना आयोग द्वारा बनाई गई योजनाओं को अनुमति देती है ।

पंचवर्षीय योजनाएँ

THIS IS A SAMPLE PDF
TO BUY NOTES WHATSAPP ON 9896160956

For More Pdfs Join Telegram https://t.me/studymaster